Merger of National Airport Authority with International Airport Authority of India

3277. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN IAIN: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to merge the National Airport Authority with the International Airport Authority of India;

(b) if go, the reasons therefor;

(c) what benefits Indian civil airports would get as a result thereof; and

(d) what is the stage of this proposal?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (d) The National Airports Authority and the International Airports Authority of India have been merged into a unified Authority viz. the Airports Authority of India with effect from the 1st April, 1995 with a view to have:

—Better coordination by a single authority;

—Optimal utilisation of resources to promate integrated development of airports infrastructure in all aspects including Air Traffic Control and Communication systems;

-Generation of more revenue by efficient management by a single authority; and

—Better utilisation of expertise in airport design, planning and pooling of management resources tor improved efficiency.

तीर्थस्थलों पर पर्यटकों को सुविधाएं

3278. चौधरी हरमोहन सिंह : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में वर्ष 1991-92 से वर्ष-वार तथा स्थान-वार विभिन्न तीर्थस्थलों पर पर्यटक सुविधाएं प्रदान करने के लिए कितनी-कितनी धनराशि खर्च की गयी है; और

(ख) इनमें से प्रत्येक तीर्थस्थल पर आने वाले विदेशी तथा घरेलू पर्यटकों की अनुमानित वार्षिक संख्या कितनी है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) मूलभूत सुख-सुविधाओं और आधारिक संरचना के सुधार हेतु वर्ष 1992 में केन्द्र सरकार द्वारा तीर्थ पर्यटन पर गठित समिति ने तीर्थ स्थानों के विकास के लिए अभिनिर्धारित किया था। समिति द्वारा विकास हेतु अभिनिर्धारित केन्द्रों की सूची विवरण-I में दी गई है (नीचे देखिए) वर्ष 1991-92 से तीर्थ महत्व के इन अभिनिर्धारित स्थलों में पर्यटक सुविधाओं की व्यवस्था पर खर्च की गई राशि विवरण-II पर दी गई है (नीचे देखिए)।

(ख) केन्द्रीय पर्यटन विभाग तीर्थ महत्व के स्थलों में आने वाले विदेशी और स्वदेशी तीर्थयात्रियों की संख्या के बारे में सांख्यिकीय जानकारी नहीं रखता है।